Editorial Board - Innovation : The Research Concept
December-2019
Executive Board

PATRON	EDITOR-IN -CHIEF	MANAGING EDITOR
Dr. M.D. Pathak **Chairman,** Centre for Research & Development of Waste & Marginal Land **Ex. Director General,** U.P. Council of Agriculture Research, U.P. **Ex. Director,** Research and Training, International Rice Research Institute, Manila, Philipines pathakmd1@gmail.com	**Dr. Asha Tripathi** **Senior Vice-President,** Social Research Foundation, Kanpur asha23346@gmail.com	**Dr. Rajeev Mishra** **Secretary,** S R F, Kanpur indra.rajeev@gmail.com shrinkhala2014@gmail.com 128/170 H' Block, Kidwai Nagar, Kanpur

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Political Science and International Relation	Sociology and Social Anthropology	Library & Information Science
Prof. Vandana Asthana Eastern Washington University, Cheney, WA	**Dr. K. Bharathi** Arba Minch University, Arba Minch, Ethiopia, North Africa,	**Dr. U. C. Shukla** Fiji National University, Lautoka, Fiji

Economics		History
Dr. Akhilesh Kumar Dixit Associate Professor, Armapur P.G. College, Kanpur, India	**Surender Singh Charan** Associate Professor, Govt. College, Dholpur, Rajasthan,India	**Dr. Suman Yadav** Assistant Professor, S.S. Jain Subodh PG (Autonomous) College Jaipur rajasthan

English	Music	Law
Dr. Nawal thorat Associate Professor Govt. Vidarbha Institute, Amravati, Maharashtra, India	**Dr. Soniya Bindra** Associate Professor, N.K.B.M.G.College, Chandausi, Sambhal, Moradabad,India	**Dr. Narendra Kumar Bindra** Assistant Professor, Swami Vivekanand Law College, Chandausi, Sambhal, Moradabad,India

ISSN: 2456–5474 RNI No.UPBIL/2016/68367 Vol.-4* Issue-11* December- 2019
Innovation The Research Concept

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव–निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते– यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे है तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(श्रीमती दीप्ति मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा0 राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू–1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।
संपादक : डा0 राजीव कुमार मिश्रा, Mobile No. **9335332333, 9839074762**
Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, **website:** www.socialresearchfoundation.com